

प्रेषक,

हरिश्चन्द्र जोशी,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

उप महानिदेशक,
एन0सी0सी0 निदेशालय,
बंगला नं0 पी-4, नागनाथ रोड़,
घघोड़ा, गढी कैन्ट,
देहरादून, उत्तराखण्ड।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

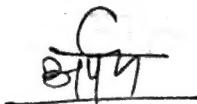
देहरादून दिनांक 24 मार्च, 2008

विषय: ननूरखेड़ा, देहरादून में एन0सी0सी0 निदेशालय के भवन निर्माण के स्वीकृत आगणन के विरुद्ध शेष धनराशि दिलाये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय आपके पत्र संख्या 3226/2007-08/वित्त दिनांक 28.02.2008 के सन्दर्भ में तथा क्रमशः शासनादेश संख्या 689/XXIV-3/2007/2(95)/2006 दिनांक 31 जनवरी, 2007 एवं शासनादेश संख्या 1162/XXIV-3/2007/2(95)/2006 दिनांक 16 अक्टूबर, 2007 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय ननूरखेड़ा, देहरादून में एन0सी0सी0 निदेशालय के भवन के निर्माण हेतु कार्यदाई संस्था उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम लि0, देहरादून इकाई द्वारा गठित एवं टी0ए0सी0 द्वारा अनुमोदित लागत रू0 129.60 लाख, के सापेक्ष पूर्व में स्वीकृत धनराशि रू0 75.00 लाख (रूपये पच्चीस लाख मात्र) को समायोजित करते हुए अवशेष देय धनराशि रू0 54.60 लाख (रूपये चौवन लाख साठ हजार मात्र) के सापेक्ष चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में रू0 50.00 लाख (रूपये पच्चास लाख मात्र) की धनराशि को शासनादेश संख्या: 1121/XXIV-3/2007/02(20)/2007 दिनांक 03.08.2007 द्वारा प्रश्नगत योजना में आपके निवर्तन पर रखी गयी धनराशि रू0 100.00 लाख में से नियमानुसार व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- (1) आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिडयूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गयी हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।
- (2) कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य को प्रारम्भ न किया जाय।
- (3) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय। कार्य को समयबद्ध ढंग से शीघ्र पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जाय।



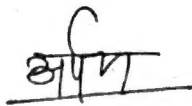


क्रमशः.....2

- (4) एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त कार्य टेकअप किया जाये।
- (5) कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
- (6) कार्य कराने से पूर्व स्थल का भलीभाँति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्ववेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के बाद स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाए।
- (7) आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- (8) निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जागी वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाये।
- (9) जी0पी0डब्लू0फार्म 9की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा। विलम्ब के कारण आगणन पुनरीक्षण पर विचार नहीं किया जायेगा।
- (10) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 2047/XXIV-219/2006 दिनांक 30-5-2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन कराया जाना सुनिश्चित करें।
- (11) किसी भी कार्यालय/संस्थाओं के निर्माण को विस्तृत आगणन गठित करते समय स्वीकृत ज्ञातव्य एवं नामर्स के अनुसार गठित किया जाये तथा इनकी सूचना प्रशासकीय विभाग को भी दें। मेडिकल के हास्टलों का निर्माण एच0आई0सी0 के मानकों के आधार पर प्रारम्भिक आगणन गठित किये जाय।
- (12) निर्माण की गुणवत्ता के लिये सम्बन्धित निर्माण एजेन्सी उत्तरदायी होगी।
- (13) उक्त निर्माण कार्यों की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति आख्या तथा उपयोगिता प्रमाण-पत्र अविलम्ब शासन को उपलब्ध कराया जाय।

2- उपर्युक्त धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों के अनुसार किया जाय और जहाँ आवश्यक हो, व्यय करने से पूर्व सक्षम प्राधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र निर्धारित प्रारूप पर यथासमय शासन तथा महालेखाकार को उपलब्ध करा दिया जाय। स्वीकृति की प्रत्याशा में अनुमोदित व्यय कदापि न किया जाय।

3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय- व्ययक में अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखा शीर्षक-4202-शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूँजीगत





क्रमशः.....3

परिव्यय-01-सामान्य शिक्षा-800-अन्य व्यय-आयोजनागत-00-30-एन0सी0सी0 निदेशालय का भवन निर्माण-24-वृहत निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 1185 (P) xxvii(3)08/वित्त (व्यय नियन्त्रण) अनुभाग-3/2007 दिनांक 20 मार्च, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(हरिश्चन्द्र जोशी)

सचिव

संख्या: 427(1)/XXIV-3/08/02(95)2006 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 मुख्य मंत्री जी।
- 3- निजी सचिव, मा0 शिक्षा मंत्री जी।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव।
- 5- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
- 6- उप महानिदेशक, एन0सी0सी0 निदेशालय उत्तराखण्ड बंगला नं0 पी-4, नागनाथ रोड, घंघोड़ा, गढ़ी कैन्ट, देहरादून।
- 7- बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
- 8- जिलाधिकारी, देहरादून।
- 9- बरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 10- वित्त विभाग/नियोजन प्रकोष्ठ।
- 11- कम्प्यूटर सेल (वित्त विभाग)
- 12- एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 13 - सम्बन्धित निर्माण एजेन्सी, राजकीय निर्माण निगम लि0 220 इन्दिरा नगर देहरादून।
- 14- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(जी0पी0तिवारी)

अनु सचिव